मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

स्व. इंदिरा गांधी भवन, मुख्य कार्यालय, छत्रपती शिवाजी महाराज मार्ग,
भाईंदर (प.), ता.ठाणे-401101 दुरध्वनी क्रं.28192828

पाणी पुरवठा व मलनि:सारण विभाग

जा.क्र.मनपा/पा.पु.व मलनि/जन/प्र.लि.१४/क.अ.६/ २००६ /२०२५-२६ **दि. १४/१०/२०२५**

प्रति,
जनसंपर्क अधिकारी
जनसंपर्क विभाग
मिरा भाईंदर महानगरपालिका.

विषय :- वृत्तपत्रात प्रसिद्ध झालेल्या बातमीबाबत ..

महोदय,

उपरोक्त विषयान्वये सामना या वृत्तपत्रात दि.12/10/2025 रोजी प्रसिद्ध झालेल्या बातमीचा खुलासा सोबत जोडून देत आहे.

(दिपक खांबित)
शहर अभियंता
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

पाणी पुरवठा व मलनिसारण विभाग

// खुलासा //

"मिरा-भाईंदर मे पानी की कालाबाजी जारी" घरेलु कनेक्शन के पानी की टेंपो से सप्लाई या मथळयाखाली सामना या वृत्तपत्रामध्ये दि.12/10/2025 रोजी बातमी प्रसिद्ध करण्यात आलेली आहे.

त्याअनुषंगाने खुलासा सादर करण्यात येतो की, मिरा-भाईंदर क्षेत्रामध्ये असलेल्या खाजगी जलस्त्रोतांव्दारे (विहिरी, बोअरवेल, तलाव इ.) व्दारे भुजलाचा उपसा करुन त्याचा व्यवसाय करणारे व्यावसायिक यांच्यावर तसेच खाजगी स्त्रोतांचे व त्याव्दारे भुजलाचा बेकायदेशिर उपसा नियंत्रित करणे व त्यांचे विनियमन करणेचे अधिकार "उप-विभागीय अधिकारी, ठाणे विभाग" यांना असुन सदर जिल्हा प्राधिकरणास असलेले अधिकार मिरा-भाईंदर शहराकरीता "अप्पर तहसिलदार,मिरा-भाईंदर" यांना प्रदान केलेबाबत मा.उपविभागीय अधिकारी, ठाणे विभाग यांनी त्यांचे कडील क्र.टीडी/प्रशासन/टे-4/विंधन विहिर/कवी-1161/2025/971 दि.21/04/2025 रोजीच्या पत्रान्वये मिरा-भाईंदर महानगरपालिकेस कळविले आहे. त्यानुसार मिरा-भाईंदर महानगरपालिकेकडे टँकर बाबत प्राप्त झालेल्या तक्रारीवर मा. अप्पर तहसिलदार, मिरा-भाईंदर यांचे मार्फत कार्यवाही प्रस्तावित आहे.

त्यामुळे मिरा-भाईंदर मे पानी की कालाबाजी जारी" घरेलु कनेक्शन के पानी की टेंपो से सप्लाई होत आहे अशी बाब नाही.

(दिपक खांबित)
शहर अभियंता
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

मीरा-भायंदर में पानी की कालाबाजारी जारी

घरेलू कनेक्शन के पानी की टेंपो से सप्लाई!

मनपा प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

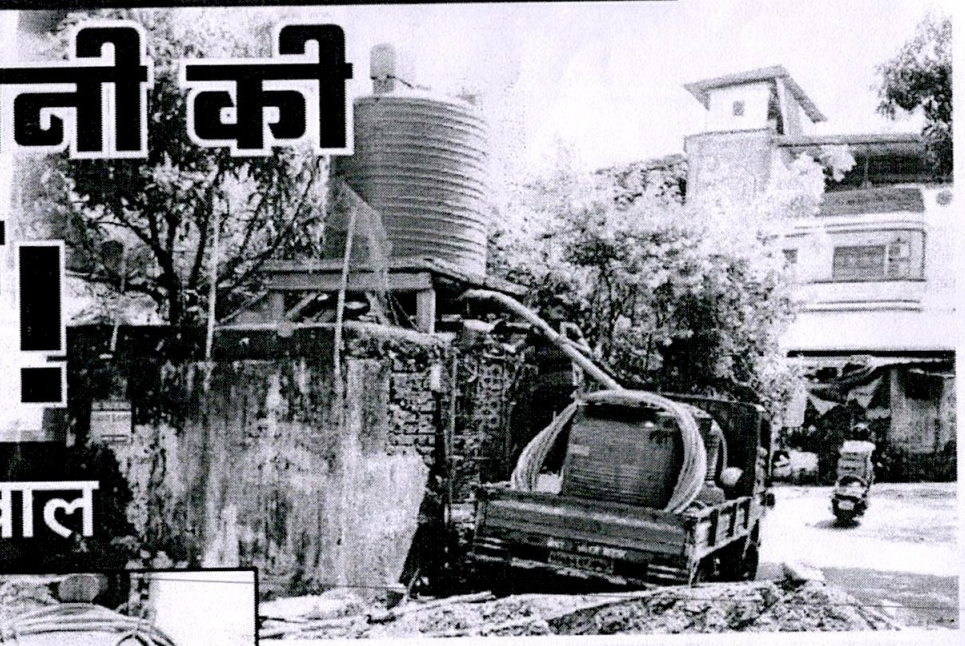

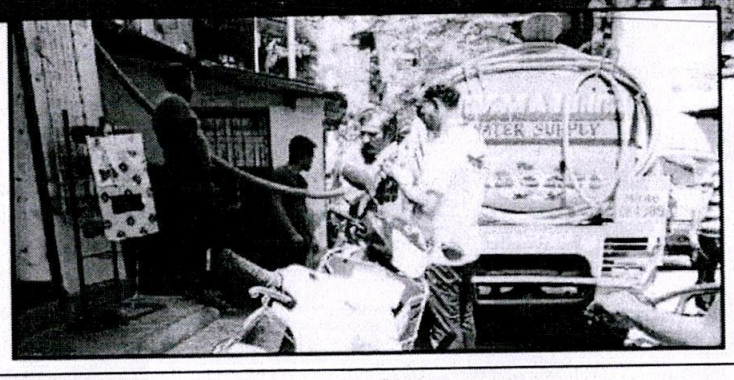

प्रेम यादव / भायंदर

मीरा-भायंदर शहर में विकास की तस्वीर ऊपर से भले ही चमकदार दिखे, लेकिन जमीनी सच्चाई बेहद बेकार है। यहां हर रोज हजारों लोग सुबह से लेकर शाम तक पानी के लिए जूझ रहे हैं। कई इलाकों में नल सूखे पड़े हैं और जिन जगहों पर पानी आता भी है, वहां उसकी मात्रा बेहद कम होती है। इसी बीच पानी माफिया इस किल्लत को मुनाफे के मौके में बदल चुके हैं।

भायंदर-पश्चिम के पुराने गांव के राव तालाव के निकट छोटे-छोटे बंगलेनुमा घरों में रहनेवाले कनेक्शन तो घरेलू लिए हैं, लेकिन अपने घरों के आसपास १०००-१००० लीटर के टैंक बैठा रखे हैं और फिर यहीं से पानी के काले धंधे को अंजाम दे रहे हैं। यहां ५००-५०० लीटर की टंकियों को टेंपो के जरिए में ३०० से ५०० रुपए में पानी लोगों के घरों तक पहुंचाए जाते हैं, लेकिन मनपा प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंदकर बैठा है। ऐसे में मनपा प्रशासन की मिलीभगत की बात भी कही

सबकी अपनी-अपनी हिस्सेदारी

शहर के कई हिस्सों में स्थिति इतनी खराब है कि लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। कई बार पाइपलाइन में सीवेज मिल जाने से दूषित पानी घरों तक पहुंच जाता है। नागरिकों का कहना है कि शिकायतें बार-बार करने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाता। ऐसे में पानी माफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए हैं। नागरिकों का कहना है कि मनपा के अधिकारी और कुछ स्थानीय नेता इस खेल से भलीभांति वाकिफ हैं। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं होती। माफिया रात में नहीं, बल्कि दिन में खुलेआम टैंकर भरते हैं। मनपा के गेट के सामने तक पानी बिकता है। अगर

नवघर के निवासी रोहित ठाकुर कहते हैं कि हर महीने मनपा को पानी का टैक्स हम भरते हैं, पानी माफिया खुलेआम कारोबार कर रहे हैं और अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं। अब तो पानी भी पैसेवालों की चीज बन गई है।

भायंदर-पूर्व की घरेलू महिला पूनम बताती हैं कि जब पानी नहीं आता तब बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल हो जाता है। मजबूरी में ५०० रुपए देकर ५०० लीटर वाली टंकी मंगानी पड़ती है। इतनी महंगाई में अब पानी भी जेब काटने लगा है।

स्थानीय व्यापारी मनीष यादव कहते हैं कि हमारे गाले में रोज पानी की जरूरत होती है। अगर पानी नहीं आए तो कारोबार बंद हो जाता है। टैंकर माफिया हमें मजबूरी में लूट रहे